अवश्य निकाली जाती है।

⑧ कभी-कभी एक विधि के उत्पादन को अगली विधि में कुछ भाग जोड़कर भेज दिया जाता है। लाभ की इस रकम को विधि खाते में Debit करते हैं तथा उत्पादित वस्तु के मूल्य में जोड़कर बढ़ी हुई कीमत से विधि खाता Credit किया जाता है। इसी बढ़े हुए मूल्य से अगली विधि को Debit किया जाता है। अगर इस प्रकार लाभ जोड़ने की प्रणाली अपनायी जाती है तब वर्ष के अन्त में शेष Stock के लिए लाभ-हानि खाते में अवसूल हुए लाभ के लिए आयोजन अवश्य करना चाहिए।

⑨ अन्तिम विधि के उत्पादन को निर्मित माल खाते अथवा तैयार Stock खाते को हस्तान्तरित किया जाता है।

⑩ अगर कभी सामान्य क्षय (Normal Wastage) से कम क्षय होतो इसे असामान्य बचत (Abnormal Effectives) मानकर लाभ की तरह विधि खाते में Debit किया जाता है।

Illustrations of Process Cost at a Glance.

Illustration 1.	विधि लागत खाते में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष व्ययों का वितरण
2.	भार में क्षय, वृथा अंश (Scrap) और खानेदार विधि खाता

Amit Kumar

(3) विधि में ~~क्षय~~ होनेवाले क्षय का उचित ले...
जाता है। अगर क्षय अथवा तौल में कमी सामान्य
तो उसे विधि खाता Credit किया जाता है। अगर
अथवा उसके Scrap की बिक्री से कुछ रकम प्राप्त
है तब उसको सम्बन्धित विधि खाते में Credit
किया जाता है। इसके विपरीत अगर सामान्य (Normal)
ज्यादा क्षय (Wastage) होता है तब अतिरिक्त क्षय को
असामान्य क्षय (Abnormal Wastage) कहते हैं, जिसे उत्पादन
लागत पर विधि खाते में Credit करते हैं।

(4) अगर किसी विधि में उपोत्पाद उत्पन्न होता है तब उस
लागत से विधि खाता Credit किया जाता है।

(5) विधि खाते का शेष ही उस विधि का उत्पादन
होता है जिसे Credit कर दिया जाता है। इसको अग
विधि के खाते में कच्ची सामग्री की भाँति Debit
कर दिया जाता है। यह क्रम अन्तिम विधि तक चलता रहता

(6) कभी-कभी प्रत्येक विधि के उत्पादन का एक भाग
बिक्री के लिए गोदाम (Warehouse) में भेज दिया
जाता है तथा शेष भाग पर आगे की विधि सम्पन्न
होती है। तब इन दोनों भागों की मात्रा एवं लागत
सम्बन्धित विधि खाते में Credit किया जाता है।

(7) प्रत्येक विधि के उत्पादन की प्रति इकाई ला...

① Part III Com A/c (H)

Dr. Sunil Kumar
S.N.S.R.K.S. College,
Saharsa

Process Cost Account.

विधि लागत खाते ऐसे उद्योगों में प्रयोग किए जाते हैं जिनमें ऐसी वस्तु का निर्माण होता है जो विभिन्न विधियों से होकर गुजरती है और जिनमें प्रत्येक विधि की लागत जानना आवश्यक होता है। उदाहरण के लिए, रासायनिक उद्योग, तेल पेरने का उद्योग, चीनी उद्योग, लोहा तथा इस्पात उद्योग, रबर व टायर उद्योग, वस्त्र उद्योग, कागज उद्योग, रंग उद्योग आदि।

विधि लागत लेखों के उद्देश्य तथा लाभ

1. विभिन्न विधियों की अलग-अलग लागत का ज्ञान होना
2. उपोत्पाद का मूल्य ज्ञात करना
3. विभिन्न विधियों पर होनेवाले क्षय का ज्ञान होना
4. कम और अधिक व्यय का ज्ञान होना

विधि लागत खाते तैयार करने के प्रमुख नियम निम्नलिखित हैं:-

(1) प्रत्येक विधि के लिए एक अलग खाता खोला जाता है। Debit and credit दोनों पक्षों में विवरण, मात्रा तथा रकम के खाने होते हैं जिसमें उत्पादित वस्तु की मात्रा, कुल लागत तथा प्रति इकाई लागत मालूम होती है।

(2) Indirect expenses को विभिन्न विधियों में किसी उचित आधार पर, बाँट कर अन्य खर्चों के साथ Debit किया जाता है। सामान्यतः इनको विभिन्न विधियों के Labour Cost के अनुपात में बाँटा जाता है।

Sunil Kumar

Scanned with CamScanner

3.	गोदाम का माल लाभ पर बेचने पर गोदाम खाता बनाना
4.	विधि खाते के आधार पर उत्पादन आदेश विवरण पत्र बनाना
5.	प्रारम्भिक एवं अन्तिम स्कंधों का मूल्यांकन एवं क्षय
6.	अप्रत्यक्ष व्ययों का बँटवारा एवं उपोत्पाद की बिक्री
7.	तेल सम्बन्धी विधि खाते
8.	मिश्रित विधि खाता
	BYE-PRODUCT
9.	संयुक्त उत्पाद में प्रत्येक उत्पाद की लागत निकालना
10.	उपोत्पाद की लागत निकालना
11.	उपोत्पाद का लाभ निकालना
12 & 13	मुख्य उत्पाद एवं उपोत्पाद के मिश्रित व्ययों का बँटवारा
	ADVANCED PROBLEMS
14.	साधारण क्षय, असाधारण क्षय, साधारणसे

Scanned with CamScanner

Columnar Process Account:

जब उत्पादन के सम्बन्ध में भार (Weight) या मात्रा (Quantity) तथा मूल्य दोनों दिए हुए हो, तो विधि खाते को खानेदार बनाया जा सकता है। प्रत्येक विधि खाते का उत्पादन निम्न तीन प्रकार से प्रयोग किया जा सकता है:-

(a) उत्पादित माल को बेच देना
(b) उत्पादित माल को गोदाम में रखना और भविष्य में कीमतें अच्छी होने पर बेचना या स्वयं प्रयोग में लाना
(c) उत्पादित माल को आगे वाले विधि खाते में हस्तान्तरित करना।

PROCESS ACCOUNT

Particulars	Weight	Amount ₹	Particulars	Weight	Amount ₹
To, Raw Materials.	......	✓	By, Loss in weight	✓	
" Wages.		✓	" Scrap.	✓	✓
" Expenses etc.		✓	" Sale	✓	✓
			" Transfer to Warehouse.	✓	✓
			" Transfer to Process.	✓	✓

Sunil Kumar
11/05/2020

Process No.2 Account

To, Transfer from Process No. 1.	xx	By, Transfer to Process No.3	xx
" Materials.	xx		
" Wages.	xx		
" Expenses.	xx		
	xx		xx

इस प्रकार अन्य विधि खाते भी बनाये जा सकते हैं।

Net unit = Total unit – Normal unit.

Net amount = Total amount – Normal amount.

Value of abnormal unit = $\frac{\text{Net amount}}{\text{Net unit}} \times$ Abnormal unit.

Abnormal effictiveness → यदि उत्पादन के दरमियान सामान्य बर्बादी से कम बर्बादी हो तो जितने Unit की कम बर्बादी होती है तो वैसी बर्बादी को Abnormal Effectiveness कहते हैं।

क्रम	कार्य क्षेत्र
15.	विधि लागत का विवरण-पत्र बनाना
16.	एक विधि स्तर से दूसरे विधि स्तर से लागत पर माल का हस्तान्तरण
17.	सभी विधियों में प्रारम्भिक स्थिति का दिया हुआ होना।

अप्रत्यक्ष व्ययों को मजदूरी के अनुपात में बाँटा जाता है। परन्तु यदि प्रश्न में अप्रत्यक्ष व्ययों को बाँटने के लिए कोई अन्य सूचनायें दी हुई हों तो उन सूचनाओं के आधार पर ही बाँटना चाहिए।

Process No-1 (Output :........ article)

	Rs.		Rs.
To Materials	✓	By Transfer to Process No.2	✓
" Wages	✓		
" Expenses	✓		
Rs.	✓	Rs.	✓

Scanned with CamScanner